हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 5 मई 2025

तापमान
अधिकतम 37 .5 डिग्री
न्यूनतम 20 .7 डिग्री

11 परमपिता परमात्मा की आज्ञाओं का सभी को ...

12 कई कॉलोनियों में पानी नहीं आने से लोगों ने लगाया जाम

शहर में आज

- लघुसचिवालय में डीसी का समाधान शिविर का होगा आयोजन।
- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर।

बिजली कट

- सुबह 8 बजे से 12 बजे तक

11 केवी बस स्टैंड फीडर, 11 केवी डिस्पोजल फीडर, 11 कवी रोहतक नंबर 2 फीडर का एरिया, खोखरा कोट, राजीव बिहार, जीन्द चौक, अनंतपूरम सोसाइटी, बालक नाथ कॉलोनी, कबीर कॉलोनी, जींद चौक, आउटर बाई पास गौहाना रोड, शिव कॉलोनी, फौजी कॉलोनी, बडसी नगर, सुन्दरपूर रोड।

- सुबह 11 बजे से 2 बजे तक-

-सेक्टर. 6, सन सिटी टाऊन शिप, बस स्टैंड, विशाल नगर, उत्तम विहार, आजाद गढ़, दिल्ली रोड, राजीव गांधी स्टेडियम, बीजेपी ऑफिस।

खबर संक्षेप

उत्तराखंड में हादसे में सांपला के युवक की मौत

सांपला। हरिद्वार जा रहे सांपला के एक व्यक्ति की उत्तराखंड में सड़क

हादसे के दौरान मौत हो गई। जबकि उसके तीन साथी घायल हो गए। हादसा रुड़की के पास बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बुधवार की रात को सांपला से हेमंत, राहुल लोकेश व कैलाश चार युवक हरिद्वार घूमने के लिए अपनी कार में सवार होकर जा रहे थे। उनकी गाड़ी शुक्रवार की सुबह उत्तराखंड के जिला रुड़की के पास पहुंची तो पीछे से तेज गति से आ रही रोडवेज बस टक्कर मार दी। जिसमें हेमंत की मौत हो गई। जबकि अन्य तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

बिजली घर में मंगलवार को लगेगी अदालत

महम। बिजली घर महम स्थित सब डिवीज़न कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे तक बिजली अदालत का आयोजन किया जाएगा। एसडीओ संजीत मुदगिल ने बताया कि इस दौरान बिजली से संबंधित सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

युवक को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की सीआईए-1 स्टाफ की टीम ने एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। सीआईए-1 स्टाफ के निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि एएसआई अजय के नेतृत्व में सीआईए-1 स्टाफ की टीम आईएमटी एरिया में गश्त में मौजूद थी। गश्त के दौरान आईएमटी एरिया से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान मोहित निवासी गांव नांगल के रुप में हुई।

चिड़ी: मकान से पिस्टल चोरी, अज्ञात पर केस

महम। लाखन माजरा थाना क्षेत्र के गांव चिड़ी से एक व्यक्ति का लाइसेंसी पिस्टल चोरी हो गया। चिड़ी गांव निवासी चरण सिंह पुत्र वजीर सिंह ने बताया कि मेरे पास एक पिस्टल 32 बोर था। जो रोहतक डीएम द्वारा जारी किया गया है। पिस्टल लकड़ी की अलमारी रखता था। अब पिस्टल अलमारी में नहीं मिली।

जिले में 15 केंद्रों बनाए गए थे, धीमी रही जांच की प्रक्रिया से परेशान दिखे परीक्षार्थी

पुलिस के कड़े पहरे में संपन्न हुई नीट -यूजी परीक्षा

5059 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, 125 अनुपस्थित रहे

- चेकिंग के बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में मिली एंट्री
- उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा सहित आलाधिकारी कड़ी नजर रखे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में नीट- यूजी 2025 परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। प्रशासन और परीक्षा प्राधिकरण द्वारा की गई तैयारियों ने परीक्षा को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। कुल 5184 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 5059 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि केवल 125 अनुपस्थित रहे। 15 परीक्षा केंद्रों पर हुई परीक्षा हुई। हर परीक्षा केंद्र के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। चार लेयर की सुरक्षा के बाद उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र के लिए जाने दिया गया। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए रोहतक में मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा , सिटी कोऑर्डिनेटर परमजीत कौर, डॉ. राहुल ऋषि, पुलिस अधीक्षक और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए पूरे दिन केंद्रों की सतत निगरानी की।

विद्यार्थियों को रोल नंबर की जानकारी देते पुलिस कर्मी

कागजात चेक करता पुलिस कर्मी

परीक्षा संचालन की विशेष व्यवस्थाएं

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि नीट- यूजी जैसी राष्ट्रीय परीक्षा केवल शैक्षणिक दायित्व नहीं बल्कि हमारे प्रशासनिक समर्पण और सजगता की भी परीक्षा है। हम हर विद्यार्थी को निष्पक्ष वातावरण देने के लिए कृत संकल्पित हैं। परीक्षा संचालन के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। उन्होंने बताया कि 15 परीक्षा केंद्रों पर चार स्तरीय सुरक्षा प्रणाली रही। बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी निगरानी, मोबाइल जैमर और दो चरणों में तलाशी प्रक्रिया को अपनाया गया। प्रत्येक केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट और 15 से अधिक पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई।

धारा 163 लागू की गई

केंद्रों के बाहर 200 मीटर तक धारा 163 लागू की गई थी। लाउडस्पीकर एवं वाहनों की आवाजाही पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया था। उन्होंने बताया कि चिकित्सीय सुविधा हेतु पीजीआईएमएस से एंबुलेंस और मेडिकल स्टाफ की तैनाती की गई थी।

एएसपी को बनाया गया था नोडल अधिकारी

रोहतक के एएसपी वाई. वी. आर शशि शेखर को नोडल अफसर नियुक्त किया गया था। राजपत्रित स्तर के अधिकारी को परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया है। सभी परीक्षा केंद्रों पर एक निरीक्षक व उप निरीक्षक रैंक के अधिकारी को इंचार्ज बनाकर तैनात किया गया था।

सांपला में पहली बार नीट की परीक्षा हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

कस्बे पहली बार हुई राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) रविवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई। तीनों परीक्षा पर 720 परीक्षार्थियों का पंजीकरण था। सुबह 11 बजे से सभी केंद्रों पर विद्यार्थियों का प्रवेश आरंभ हुआ। इस दौरान गहन जांच प्रक्रिया अपनाई गई। जिसमें बॉयोमेट्रिक वेरीफिकेशन, चेहरा पहचान प्रणाली (फेस रिकग्निशन) और

पहचान पत्र की पुष्टि शामिल रही। परीक्षा में सख्ती का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि छात्राओं से हेयर पिन, नाक की कील, कान की बालियां और यहां तक कि गले का धागा भी उतरवा दिया गया। पेन भी साथ ले जाना बैन था। पुलिस ने अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी भी प्रकार की बाधा न हो, इसके लिए विशेष ट्रैफिक व्यवस्था लागू की। रेलवे स्टेशन और बस अड्डों से परीक्षा केंद्रों तक जाने वाले मार्गों पर पीसीआर और पुलिस पिकेट लगातार गश्त पर रही। सांपला में सर छोटूराम कन्या महाविद्यालय राजकीय महाविद्यालय और पोलिटिकल कालेज में केंद्र बनाए गए थे।

माता पिता द्वारा डाटने पर दोस्तों के साथ घूमने हरिद्वार चला गया

पुलिस ने गुमशुदा नाबालिग को सकुशल बरामद कर किया परिजनों के हवाले

- थाना शिवाजी कॉलोनी की टीम ने त्वरित कार्रवाई की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

थाना शिवाजी कॉलोनी की टीम ने कार्रवाई करते हुए गुमशुदा नाबालिग को सकुशल बरामद कर वापस उसके परिवार को सौंपा। थाना शिवाजी कॉलोनी के निरीक्षक राकेश सैनी ने बताया कि शिवाजी कॉलोनी एरिया निवासी युवक के माता पिता ने घर से अपने बेटे के लापता होने के बारे में बताया। दो मई को उनका 15 साल का बेटा बिना बताए अपने घर से चला गया। युवक की तलाश के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया। जिसमे निरीक्षक जसबीर, एसआई अनिल, पीएसआई ओमपाल व पीएसआई विकास को शामिल किया गया। पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए गुमशुदा युवक का पता लगाया। माता पिता

रोहतक। गुमशुदा नाबालिग को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपती पुलिस।

द्वारा डाटने पर युवक अपने दोस्तों के साथ घूमने हरिद्वार चला गया। पुलिस टीम द्वारा उसके दोस्तों से संपर्क कर युवक के बारे में पता लगाया गया। नाबालिग युवक व उसके दोस्त हरिद्वार से घूमकर वापिस अपने घर आ गए लेकिन नाबालिक अपने घर नहीं गया। पुलिस टीम ने अथक प्रयास से गुमशुदा नाबालिग युवक को सकुशल बरामद किया व परिजनों के हवाले किया।

सांपला: ज्वार की बुआई कर रहे किसान की सांप के काटने से मौत

- परिजनों ने बताया कि संदीप का शरीर नीला पड़ गया था

सांपला। कस्बे के गांव गिझी में खेत में ज्वार की बुआई के दौरान सांप के काटने से एक युवक की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि संदीप खेतों में बेहोश मिला था। उसके मुंह से झाग निकल रहा था ,चेहरा नीला पड़ गया था। उसे निजी अस्पतात में भर्ती कराया। जहां उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक किसान संदीप शनिवार सुबह 11 बजे घर से खेत के लिए निकला था। वह अपने खेत में बैठकर ट्रैक्टर का इंतजार कर रहा था । इस दौरान संदीप को सांप ने डस लिया।

जब बड़ा भाई उसके लिए खाना लेकर पहुंचा तो उन्होंने देखा कि भाई बेहोशी की हालत में खेत के बीच में पड़ा हुआ है। उसके मुंह से झाग निकल रहे थे और चेहरा नीला पड़ गया था। इसके बाद उसे अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में होगा खुलासा

हाथ पैर बंधे हुए युवक का शव भालौठ सब ब्रांच नहर में मिला, नहीं हुई शिनाख्त

- शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखवाया गया शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर से निकलने वाली भालौठ सब ब्रांच नहर से हाथ पैर बंधे हुए एक युवक का शव बरामद हुआ है। शव को देखने के बाद आशंका जताई जा रही है कि शव की पहले हत्या हुई है या जिंदा ही हाथ पैर बांधकर नहर में डाला गया है। इस पर पुलिस जांच कर रही है। हालांकि शव की शिनाख्त के लिए उसे पीजीआई के पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया गया है। मृतक की 35 वर्ष के आसपास है। नहर में मिले शव के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए पुलिस ने आसपास के गांवों व थानों में सूचना भेजी है ताकि मृतक की शिनाख्त करवाई जा सके। अभी तक मृतक के बारे में कोई भी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है, ताकि

मौके पर जांच करते एसएफएल टीम डॉ .सरोज दहिया व पुलिस अधिकारी।

हत्या करने वालों का पता लगाया जा सके। जांच अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार नहर में मिले युवक के शव को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि युवक की पहले हत्या की गई है या उसे जिंदा ही हाथ पैर बांधकर नहर में फेंक दिया, ताकि उसकी पानी में डूबने से मौत हो जाए। मृतक कौन है, कहां का रहने वाला है और हत्या को अंजाम किसने दिया, इसके बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता।

शव मिलने की सूचना पर दौड़ी पुलिस

जांच अधिकारी एसआई विनोद कुमार ने बताया कि उन्हें सुबह नहर में शव मिलने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद एक टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव को 72 घंटे के लिए डेड हाउस में रखवाया गया है। उसकी हत्या की गई है। पुलिस मामले में मृतक की शिनाख्त करवाने का प्रयास कर रही

कार्रवाई शादी की सूचना पर महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी पुलिस के साथ पहुंची

पाड़ा मोहल्ला में 2 नाबालिग लड़कियों की शादी रुकवाई, खाना खिलाकर बारात विदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पाड़ा मोहल्ला में रविवार को दो नाबालिग लड़कियों की शादी की जा रही थी। इसकी जानकारी पाकर महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी करमिन्दर कौर पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। इनके साथ एमडीडी ऑफ इण्डिया की टीम भी थी। जब टीम पहुंची तो बारात आ चुकी थी। और वैवाहिक उसकी रस्म की जा रही थी। इसी दौरान करमिन्दर कौर ने दोनों लड़कियों से बातचीत की। उनकी उम्र के बारे में पूछा तो उनके परिजनों ने बताया कि एक बालिग है तथा दूसरी नाबालिग। जब दोनों बच्चियों के उम्र संबंधी कागजात जांचे तो पाया कि एक 13 साल की है और दूसरी 16 की।

नहीं थी जानकारी

लड़कियों के पिता की मौत हो चुकी है। मां मजदूरी करके अपना गुजारा करती है। लड़कियों की मां व अन्य परिजन मिलकर शादी कर रहे थे। लड़कियों के परिजनों एवं मां तो बाल विवाह निषेध कानून के बारे में जानकारी दी गई। हैरानी की बात यह है कि शादी समारोह में उपस्थित महिलाओं ने कहा कि अभी हाल ही में हमने मंदिरों में व शहर में बाल विवाह के खिलाफ ऐसे बोर्ड देखें हैं। जो एमडीडी ऑफ इण्डिया संस्था एवं संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी द्वारा लगवाये गये हैं। जिन पर लिखा था 'बाल विवाह अपराध है'' और बाल विवाह करने वालों की खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

शादी की सही उम्र की जानकारी दी

लड़कियों की शादी जिन लड़कों से की जा रही थी, उनके परिजनों से भी बात की गई। उन्हे भी समझाया गया। लड़कों के पिता ने कहा कि हमें पता नहीं था कि लड़कियों की उम्र कम है। अब हम शादी नहीं कर रहे हैं। हम यहां खाना खाकर वापस जा रहे हैं। उन्होंने भी लिखित में दिया कि अब वे यह शादी नहीं कर रहे हैं। लड़कों के पिता और अन्य परिजनों को करमिन्दर कौर ने बताया कि नाबालिग लड़कियों से यदि शादी की तो लड़कों पर पॉक्सो कानून लगेगा।

मुकदमे की धमकी पर सहम गए

लड़के वालों को बताया गया कि पॉक्सो लगने के बाद जमानत भी नहीं होगी। इसके साथ-साथ शादी में मदद करने वालों पर भी मुकदमा बनेगा। दोनों पक्षों को यह भी बताया कि कानूनी दृष्टि से 18 वर्ष से कम आयु की लड़की और 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह करना बाल विवाह की श्रेणी में आता है, जो कि कानूनी अपराध है। बाल विवाह करवाने वाले या इसमें शामिल होने वालों को 2 साल तक की सजा और 1 लाख रूपये तक जुर्माने का प्रावधान है। साथ लड़कों और लड़कियों के परिजनों को यह भी समझाया गया कि हरियाणा में 18 साल से कम उम्र की शादी की कोई कानूनी मान्यता नहीं है।

सीएम फ्लाइंग ने बलम्ब में गाड़ी से 97 पेटी अवैध शराब पकड़ी

रोहतक। सीएम फ्लाइंग ने माड़ौदी रोड बलम्ब में रेड कर एक गाड़ी बरामद की है। जिसें से 97 पेटी अवैध शराब बरामद की गई। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। टीम को सूचना मिली कि बलम्ब से माडोदी रोड पर बिजेन्द्र के घर में शराब से भरी गाड़ी खड़ी हुई है। रेड की जाए तो कामयाबी मिल सकती है। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची, जहां एक गाड़ी बरामद हुई। गाड़ी के पास मिले व्यक्ति ने अपना नाम बिजेन्द्र निवासी बलम्ब बताया। मौके पर आबकारी विभाग के निरीक्षक अमित कुमार को बुलाया गया। गाड़ी की जांच की तो 97 पेटी शराब की भरी हुई मिली। जिनमें करीब 1164 बोतल भरी हुई हैं। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी के पास इतनी भारी तादाद में शराब कहां से आई और इसे कहां लेकर जाना था। घटना में शामिल रहे अन्य आरोपियों की भी जांच की जा रही है।

ब्रह्म सरोवर

कुरुक्षेत्र जिले के थानेसर में स्थित ब्रह्म सरोवर एक प्राचीन और पवित्र सरोवर है। यह सरोवर हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, भगवान ब्रह्मा ने इसी भूमि से ब्रह्मांड की रचना की थी। सूर्यग्रहण के अवसर पर यहां विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर लाखों लोग ब्रह्मसरोवर में स्नान करते हैं। कई एकड़ में फैला हुआ यह तीर्थ वर्तमान में बहुत सुन्दर एवं सुसज्जित बना दिया गया है।

पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का तीर्थ है फल्गु

कुरूक्षेत्र के सात वनों में प्रसिद्ध फलकीवन में ही फल्गु तीर्थ सुशोभित है। हरियाणा प्रदेश के कैथल जिले के गांव फरल में स्थित यह तीर्थ स्थान कैथल से 25 किलोमीटर, कुरुक्षेत्र से 27 और पेहवा से 20 किलोमीटर ढाण्ड-पूण्डरी मार्ग पर लगभग दोनों के मध्य स्थित है। फल्गु तीर्थ के कारण ही गांव का नाम भी फरल पड़ा। इस तीर्थ का वर्णन महाभारत, वामन पुराण मत्स्य पुराण तथा नारद पुराण में उपलब्ध होता है।

धर्मस्थल

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

संसार के जिन स्थानों पर सबसे पहले मानव सभ्यता का विकास हुआ, उनमें कुरूक्षेत्र का नाम अग्रगण्य है। सरस्वती एवं दृषद्वती जैसी पवित्र नदियों की इस धरा पर वैदिक सभ्यता का उद्भव हुआ। भारतीय धर्म, दर्शन, कला, साहित्य आदि के विकास में प्रथम सृजन यहीं हुआ।

कृष्ण यजुर्वेद की मैत्रायणी शाखा में कुरूक्षेत्र का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद से प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्यों की प्रमुख जातियां भरत एवं पुरू भी इसी पावन धरा से जुड़ी रही हैं। जिनके सम्मिश्रण से कुरू नामक जाति का आविर्भाव हुआ। कुरूक्षेत्र यानि कुरूओं का क्षेत्र। इसलिए ही इसे कुरूक्षेत्र कहा गया है। वामन पुराण के अनुसार दृषद्वती नदी सरस्वती के साथ-साथ वही नदी है जिसने कुरूक्षेत्र धरा को गरिमा प्रदान की है। इस नदी का प्रवाह मार्ग कौल (कैथल) से होते हुए फल्कीवन (फरल) रहा है। हालांकि वर्तमान समय में दृषद्वती के बहने के मार्ग के अवशेष मात्र शेष हैं, जो फरल गांव के पूर्व दिशा में स्थित हैं। 48 कोस कुरू भूमि हरियाणा के कुरूक्षेत्र, कैथल, करनाल, जीन्द एवं पानीपत जिलों में फैली हुई है। महाभारतानुसार उत्तर-पूर्व में रंतुक यक्ष (बीड़ पीपली के पास) पश्चिम में अरंतुक यक्ष (कैथल में बेहर गांव के पास) दक्षिण-पश्चिम में रामहृद यक्ष (जिला जीन्द में रामराय के पास) एवं दक्षिण पूर्व में मचक्रुक यक्ष (जिला पानीपत में शींख के पास) का स्पष्ट वर्णन मिलता है। इस प्रकार इन चार यक्षों द्वारा रक्षित इस आयताकार 48 कोस की भूमि में 360 तीर्थों की उपस्थिति मानी जाती है। कुरूक्षेत्र की पवित्र भूमि प्राचीन काल में घने वनों से आच्छादित थी। वामन पुराण में कुरूक्षेत्र भूमि में स्थित सात वनों का स्पष्ट नामोल्लेख मिलता है। जैसे - काम्यक वन, अदिति वन, व्यास वन, फलकीवन, सूर्यवन वन, मधुवन तथा शीतवन। वामन पुराण के अनुसार इन पुण्यशाली वनों के नाम का उच्चारण करते ही मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं-

श्रृणु सप्त वनानीह कुरूक्षेत्रस्य मध्यतः।
येषां नामानि पुण्यानि सर्वपापहराणि च।
काम्यकं च वनं पुण्यं दितिवनं महत्।
व्यासस्य च वनं पुण्यं फलकीवनमेव च ।

कुरूक्षेत्र के सात वनों में प्रसिद्ध फलकीवन में ही फल्गु तीर्थ सुशोभित है। हरियाणा प्रदेश के कैथल जिले के गांव फरल में स्थित यह तीर्थ स्थान कैथल से 25 किलोमीटर, कुरूक्षेत्र से 27 और पेहवा से 20 किलोमीटर ढाण्ड-पूण्डरी मार्ग पर लगभग दोनों के मध्य स्थित है। फल्गु तीर्थ के कारण ही गांव का नाम भी फरल पड़ा। इस तीर्थ का वर्णन महाभारत, वामन पुराण मत्स्य पुराण तथा नारद पुराण में उपलब्ध होता है। महाभारत वन पर्व में तीर्थ यात्रा प्रसंग के अन्तर्गत इस तीर्थ के महत्व के विषय में स्पष्ट उल्लेख है:

ततो गच्छेत राजेन्द्र फलकीवनमुत्तमम्।
तत्र देवाः सदा राजन् फलकीवनमाश्रिताः।
तपश्चरन्ति विपुल बहुवर्षसहस्त्रकम्।

अर्थात तत्पश्चात मनुष्य को देवों द्वारा देवताओं ने हजारों वर्षों तक कठोर तपस्या की। बिल्कुल ऐसा ही वामन पुराण में भी उपलब्ध होता है, जहां लिखा है कि तत्पश्चात देवता, गन्धर्व, साध्य एवं ऋषि लोगों को दिव्य निवास वाले उस फलकीवन में जाना चाहिए जहां देव, गन्धर्व, सिद्ध एवं ऋषि सदैव तपस्यारत रहते हैं।

श्री फल्क ऋषि मंदिर

फरल में स्थित फल्गु तीर्थ

महाभारत के अनुसार इस तीर्थ में स्नान करने एवं देवताओं का तर्पण करने से मनुष्य अग्निष्टोम तथा अतिरात्र यज्ञों के करने से कहीं अधिक श्रेष्ठतर फल को प्राप्त करता है। वामन पुराण में भी लिखा है कि इस तीर्थ में स्नान करने से तथा देवताओं का तर्पण करने से मनुष्य अग्निष्टोम तथा अतिरात्र यज्ञों से भी अधिक फल प्राप्त करता है। वामन पुराण के 36 में अध्याय के श्लोक संख्या 49 और 50 में वर्णित है-

''सोमक्षये च सम्प्राप्ते सोमस्य च दिन।
यः श्राद्ध च मत्यस्तस्य फल पुष्पम्।।
गंगायां च यथा श्राद्ध पितृन्प्रीणाति नित्यशः।
श्राद्ध च कर्तव्य फल्कीवनमाश्रितैः।।"

अर्थात ''अमावस्या (सोमक्षय) होने पर सोमवार के दिन जो मनुष्य श्राद्ध करता है, उसे बहुत अधिक पुण्य प्राप्त होता है। फल्कीवन में फल्गु तीर्थ पर किया गया श्राद्ध पितरों को वैसा ही तृप्त और सन्तुष्ट करता है जैसा कि गया जी में किया हुआ श्राद्ध नित्य ही पितृगण (पितरों) को प्रसन्न करता है। फलकीवन (कैथल) स्थित फल्गु तीर्थ के बारे बात करें तो सर्वप्रथम जिस बात का उल्लेख आवश्यक है वह 'श्री फल्गु ऋषि' का जिक्र है। आखिर उनके तप का ही प्रभाव है कि आज यह क्षेत्र प्रसिद्ध है। उनके नाम से ही यह वन फल्कीवन हुआ। ऋषिवर इस वन में तपस्या करते थे। पुराणानुसार एवं लोक किंवदंतियों में कहा जाता है कि उनके तपस्या काल में प्रसिद्ध गया जी तीर्थ बिहार पर गयासुर का राज्य था। गयासुर की यह प्रतिज्ञा थी कि जो उसे युद्ध में पराजित कर देगा उसके साथ वह अपनी तीनों पुत्रियों का विवाह करेगा। उस समय फल्गु तीर्थ यानी फलकी वन में फल्गु ऋषि तपस्या कर रहे थे। गयासुर से त्रस्त लोगों और देवताओं के अनुरोध से जब उन्हें गयासुर की प्रतिज्ञा का पता चला तो गृहस्थ आश्रम को सर्वश्रेष्ठ समझकर वहां गए और शास्त्रार्थ में गयासुर को पराजित करके उसकी तीनों कन्याओं के साथ विवाह कर लिया एवं गृहस्थी बने। दहेज में गयासुर ने गया जी में पितृतृप्ति हेतु किए जाने वाले कार्यों में मिलने वाले फल का वर भी दिया।

इस पावन तीर्थ पर फल्गु ऋषि के मन्दिर के अलावा भी कई सुन्दर मन्दिर हैं। यहां सरोवर के घाट के पास अष्टकोण आधार पर निर्मित 17वीं शताब्दी की मुगल शैली में बना शिव मन्दिर है जो लगभग 30 फुट ऊंचा है। यहां स्थित सरोवर की लम्बाई 800 फुट और चौड़ाई 300 फुट है। मुगल शैली में एक और शिव मन्दिर है जो लगभग 20 फुट ऊंचा है तथा आकार में वर्गाकार है। वर्ग की एक भुजा 9 फुट 6 इंच है। यहीं एक अन्य मन्दिर जो राधा-कृष्ण का भी है जो नागर शैली में बना हुआ है। इसका शिखर शंकु आकार का है। इन सभी उपरोक्त वर्णित मन्दिरों में निर्माण के दौरान लाखौरी ईंटों का इस्तेमाल किया गया है एवं परवर्ती काल में इनका जीर्णोद्धार आधुनिक ईंटों के द्वारा किया गया है। घाट के पास ही एक अत्यन्त प्राचीन वट वृक्ष है जिसे लोग श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं। हाल ही में फल्गु तीर्थ के बीच एक नए मंदिर का निर्माण भी जन सामान्य ने सहयोग और आस्था से किया है। इसके अतिरिक्त फरल से ही कुछ तीर्थ और जुड़े हैं। जैसे गांव फरल से 2 किलोमीटर के सम्पर्क मार्ग द्वारा पणिश्वर तीर्थ पर पहुंचा जा सकता है। यह तीर्थ पवन पुत्र हनुमान से संबंधित है; जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट भी है। महाभारत में इस नाम से किसी तीर्थ का वर्णन प्राप्त नहीं होता, परन्तु महाभारत के अनुशासन पर्व के दसवें अध्याय में पाणिखात के नाम से एक तीर्थ उल्लेख है जिसके बारे में धारणा है कि वही पाणिखात पणिश्वर है। इस तीर्थ में स्नान करने के पुण्य के विषय में कहा गया है कि यहां स्नान करने से मनुष्य को एक हजार गाय दान करने के समान फल मिलता है। आगे कहा गया है कि जो मनुष्य पणिश्वर तीर्थ में पितृ-तर्पण करता है वह राजसूर्य यज्ञ के फल का उपयोग करता है। इस तीर्थ पर वर्तमान में हनुमान जी का भव्य मंदिर है जिसमें बजरंगबली की सुंदर प्रतिमा है। निःसंकोच कहा जा सकता है कि –

'तीर्थ स्तरन्ति प्रवतो महीरीति, यज्ञकृतः सुकृतो येन यन्ति।'

मनुष्य तीर्थों के सहारे बड़ी से बड़ी विपत्तियों से तर जाता है। बड़े से बड़े पाप तीर्थ सेवन से समाप्त हो जाते हैं और तीर्थ स्थान करने वाला महान यज्ञ करने वालों के रास्ते से ही स्वर्ग जाता है।

कविता | **राजपाल सिंह गुलिया**

एक डीलर आग्या रै

एक डीलर आग्या रै, एक डीलर आग्या रै .
म्हारे घेर म्हँ साँझ नै, एक डीलर आग्या रै .
एक डीलर एक डीलर, एक डीलर आग्या रै .

बीच गली म्हँ एक गाड़ी नै, होरण तेज बजाया .
लाम्बी गाड़ी देख बारणै, बाबू भी हर्षाया .
न्यू बोल्या वो बाबू तैं मैं, ऑफर बढ़िया ल्याया .
उसने बाबू के कान म्हँ, कील्ले का रेट बताया
फेर भा सुण कै न बाबू कै, भी जी सा आग्या रै ...

न्यू बोल्या वो इस खेवट का, नम्बर खास नहीं सै .
रेट भतेरे बढ़ लिए ईब, आग्गै आस नहीं सै .
दवा बहम की चाचा चतरू, म्हारे पास नहीं सै
धोखे आलै काम क धोरै, गंगादास नहीं सै .
फेर हाथ होक्के पै धर कै, कती नेम ठाग्या रै...

भा सुणकै ना मेरा बाबू, फूल्या नहीं समाया .
एक बेच कै पाँच दिवा दूँ, न्यूँ भी वो बहकाया .
टोकन मनी दे कै उसने, ब्याना तुरत लिखाया
भांग कै भाड़ै धरती दे के, भोत घणा पिछताया
फेर म्हारी इस डील म्हँ वो, कई लाख कमाग्या रै...

खेत बेच कै सबके होग्ये, नख्शे हाई - फाई,
माणस गैल्या गाड़ी होग्यी, घर -घर वाई -फाई .
कह गुलिया इब बैरी होग्ये, खुद भाई के भाई,
आपस का रसूख देख ल्यो, होग्या हवा - हवाई
बाबू कहता फिरै घोल कै, वोह मन्नै प्याग्या रै ...

कविता | **भूपसिंह 'भारती'**

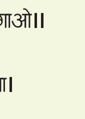

घर-घर म्ह पेड़ लगाओ

पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।
रुदन सुणो ये रो रो कहरे, ना हमनै काट बगाओ।।

धरती का सिंगार करा हम, न्यारी म्हारी माया।
मीठे मीठे फल देवां हम, देवां सीली छाया।
हरा भरा हो घर भाया, जै घर में पौधे लाओ।
पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

बरखा नै हम लेकै आवां, कती करां ना टाला।
मरते-मरते इंधन देवा, सै म्हारा काम निराला।
घर-घर म्ह पेड़ लगाकै, प्रदूषण नै भगाओ।
पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

पीवण नै हम पाणी देते, अन्न देते खाणे को।
ऑक्सीजन पैदा करते, जीवन नै बचाणे को।
जै चाहो सो जीणा तो, म्हारी तादाद बढ़ाओ।
पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

इस दुनिया म्ह सुणलो लोगों, पेड़ ही सच्चे साथी।
हर हालत में साथ निभावै, बणकै देख हिमाती।
कह 'भारती' पौधगिरी की, मिलकै अलख जगाओ।
पर्यावरण बचाणा से तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक | **फरजाना उर्फ समरु ने करीब 50 वर्षों तक गुड़गांव क्षेत्र पर शासन किया, तब अंग्रेज भी उसकी सैन्य ताकत से खतरा अनुभव करने लगे थे**

तवायफ से तख्तोताज तक पहुंची थी बेगम समरु

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

बेगम समरु जनवरी 1836 में निःसन्तान स्वर्ग सिधार गई। उसके बाद अंग्रेजों ने उसकी सभी छावनियों व क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लिया। बेगम के बनाए हुए विशाल चर्च व महल सरधना व दिल्ली में आज भी विराजमान हैं।

बड़ोत कस्बे के समीप कुताना गांव में पैदा होने वाली लड़की फरजाना एक विख्यात शासक बनी थी। उसने लगभग 50 वर्षों तक गुड़गांव क्षेत्र पर शासन किया तथा झाड़सा के पास एक बड़ी छावनी भी बना ली थी। बता दें कि वर्ष 1760 के आसपास फरजाना की विधवा माता गरीबी से तंग आकर दिल्ली आ गई। तब फरजाना की उम्र 8-10 वर्ष थी और उसकी माता पहले दिल्ली में तवायफ रह चुकी थी, जिसको कुताना गांव का असद खां खरीद ले गया था।

दिल्ली पहुंचकर भी वह अपने पुराने पेशे वाले स्थान पर नहीं गई। क्योंकि वह फरजाना को किसी भी सूरत में अपने पुराने पेशे में नहीं डालना चाहती थी। इसलिए दिल्ली पहुंचकर वे दोनों जामा मस्जिद की सीढ़ियों पर ठहर कर भीख तक मांगने लग गई। 20-25 दिनों बाद ही बुखार से ग्रस्त होकर फरजाना की माता की मृत्यु हो गई। तब रोती बिलखती देखकर फरजाना को वहां से गुजरने वाली खानुम जान नामक तवायफ अपने साथ ले गई। जहां फरजाना की माता उसको नहीं ले जाना चाहती थी, भाग्य के करिश्मे से फरजाना वहीं चावड़ी बाजार पहुंच गई। कुछ ही वर्षों में फरजाना नाच गाने में दक्ष हो गई। तभी वर्ष 1765 में भरतपुर शासक जवाहर सिंह ने दिल्ली पर आक्रमण किया था। उसका सेनापति जनरल समरु था जो फरजाना को 5000 रुपये में खानुम जान से खरीद कर अपने साथ भरतपुर ले गया और फरजाना बेगम समरु बन गई तथा आगरा में रहने लग गई। फिर जनरल समरु ने भरतपुर की नौकरी छोड़कर दिल्ली शाही वजीर नजफ खां की नौकरी पकड़ ली। नजफ खां ने बेगम समरु को झज्जर तथा मेरठ के पास सरधना की दो जागीर प्रदान कर दी। वह मूल रूप से ऑस्ट्रीया का निवासी था जो भारत में रोजगार के लिए आया था। बेगम समरु और जनरल समरु का साथ 12-13 वर्षों तक ही रहा क्योंकि वर्ष 1778 में जनरल समरु की मृत्यु हो गई। तब दिल्ली बादशाह ने उसकी दोनों जागीरों को शासक बेगम समरु को प्रदान कर दिया। बेगम समरु ने कुशलतापूर्वक प्रशासनिक कार्यों को सम्भाला तथा झज्जर क्षेत्र पर तीन प्रशासक राय गोपीनाथ, चौधरी साहब सिंह व मजलिस राय को नियुक्त कर दिया और स्वयं सरधना में रहने लग गई। जहां उसने एक विशाल सेना गठित कर ली तथा यूरोपीय सेना अधिकारियों को नियुक्त कर लिया। उल्लेखनीय है कि झज्जर बादशाह अकबर के काल से ही एक शासकीय इकाई बना रहा था जिसके तहत चार परगने झज्जर खास, बेरी-दुबलधन, दादरी तोए और मान्डौठी आते थे। लेकिन बेगम झज्जर की हाकिम केवल सात वर्षों (1778 से 1785 तक) तक ही रही। उसके बाद बादशाह ने बेगम समरु को झाड़सा-बादशाहपुर की जागीर भी दे दी। इसके तहत साढराणा तक के गांव आते थे और गुड़गांव तब तक एक गांव मात्र था। फिर बेगम इतनी शक्तिशाली हो गई कि उसने झाड़सा के पास विशाल सैनिक छावनी ही गठित कर डाली। वर्ष 1803 से दिल्ली पर अंग्रेजों का अधिकार होने पर भी बेगम समरु की दोनों जागीर सरधना व झाड़सा (गुड़गांव) ऐसे ही बनी रही।

बेगम समरु का चित्र तथा उनके द्वारा सरधना में बनवाई गई चर्च जो आज भी विद्यमान है।

बेगम समरु इतनी शक्तिशाली सैन्य ताकत बन गई थी कि अंग्रेजों को उससे खतरा अनुभव होने लग गया था। इसके परिणाम स्वरूप उनको भी झाड़सा से दूर एक नई छावनी बनानी पड़ी जिसको हिदायतपुर छावनी कहा जाता था। इस तरह उस ऐतिहासिक हस्ती बेगम समरु ने वर्ष 1836 तक शासन किया तथा जनवरी 1836 में वह निःसन्तान स्वर्ग सिधार गई। अंग्रेजों ने उसकी सभी छावनियों व क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लिया। बेगम के बनाए हुए विशाल चर्च व महल सरधना व दिल्ली में आज भी विराजमान हैं।

समाज को संस्कृति से जोड़ने में कला का अहम योगदान : रवि मोहन

कलाकार | **ओ.पी. पाल**

हरियाणा की समृद्ध लोक कला एवं संस्कृति की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में विभिन्न विधाओं में कलाकारों की अहम भूमिका है। ऐसे ही कलाकारों में रंगमंच के अभिनेता रवि मोहन भी शामिल है, जिन्होंने बॉलीवुड तक का सफर तय करने के बावजूद अपनी संस्कृति को सर्वोपरि रखते हुए समाज को सकारात्मक संदेश देने के मकसद से अपनी कला को बुलंदियों तक पहुंचाया है। साहित्यिक नाटकों, कहानियों के मंचन और सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर अपनी कला के संसार को दिशा देने का प्रयास किया है। अभिनेता, थिएटर निर्देशक और रंगकर्मी रवि मोहन ने अपनी कला के सफर को लेकर कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिससे समाज को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने में कला महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

हरियाणा के लोक कलाकार रवि मोहन का जन्म 11 मई 1975 को रास बिहारी और अनीता भारद्वाज के घर में हुआ। उनके परिवार में किसी प्रकार का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल तो नहीं था, लेकिन उनके पिता कभी अपनी शादी से पहले कैथल में रामलीला में किरदार करते थे। उनका परिवार 46 साल पहले सफीदों आ गया था। बकौल रवि मोहन, उनकी शिक्षा सरकारी स्कूल से हुई और कॉलेज पास आउट करने के बाद उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आधुनिक इतिहास में एमए की। उसके बाद एमफिल भी की। कला के क्षेत्र में अपनी अभिरुचि के बारे में रवि मोहन ने बताया कि स्कूली शिक्षा के दौरान उन्हें कभी-कभी मंच पर ग्रुप सॉन्ग और छोटे-छोटे अभिनय करने का सौभाग्य मिला। कॉलेज के दौरान उन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मौका मिला और उनकी कला से उन्हें सम्मान मिला, क्योंकि वह कॉलेज में भी एनसीसी की क्विज कांटेस्ट, गेम सॉन्ग, फैंसी ड्रेस, नाटक, नृत्य और गाना-बजाना जैसी गतिविधि में बढ़चढ़कर हिस्सा लेते रहे। विश्वविद्यालय में वे सांस्कृतिक गतिविधियों में लोक नृत्य और नाटकों में भागीदारी करते रहे। संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली और नेशनल स्कूल आफ ड्रामा फैकल्टी के विशेषज्ञों के सानिध्य में उन्होंने साल 2002 और 2003 में रंगमंच की कार्यशालाओं से प्रशिक्षण लिया और दो माह के अल्पकाल में रंगमच की बारीकियों को जाना। इससे वह रंगमंच की तरफ आकर्षित होकर रंगकर्मी के रूप में अपनी कला को आगे बढ़ाने लगे। करीब 28 वर्षों से रंगमंच से जुड़कर करीब 50 नाटकों का निर्देशन किया है, जबकि 15 नाटकों में अभिनय करने के अलावा कुछ वेब सीरीज और टीवी सीरियल्स में भी किरदार किया। उन्हें हरियाणा की तरफ से राष्ट्रीय नाट्य प्रतियोगिता में बतौर निर्देशक के रूप में भी काम करने का मौका मिला। उन्होंने 2003 में राज कला मंच नामक खुद की एक नाटक एनजीओ का पंजीकरण कराया और इस मंच से अब तक 14 राष्ट्रीय नाटक उत्सव चैनल थिएटर के नाम से आयोजित किए हैं। साल 2007 से 2010 के दौरान कुछ समय वे मुंबई भी रहे।

पुरस्कार एवं सम्मान

अभिनेता एवं कलाकार रवि मोहन को वर्ष 2000 में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ लोक नर्तक एवं सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। वहीं इसी वर्ष के दौरान उन्हें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय कलर से सम्मानित किया गया। जबकि वर्ष 2007 में राष्ट्रीय स्तर पर निर्देशन के लिए स्वर्ण पदक से नवाजा गया। इसके अलावा उन्हें हरियाणा में रंगमंच प्रोत्साहन के लिए राज्यपाल पुरस्कार, रंगमंच और सांस्कृतिक गतिविधियों में अनुकरणीय समर्पण के लिए रोटरी वोकेशनल पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार जैसे सैकड़ो पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

अभिनय से संजोया हरियाणा

अभिनेता एवं रंगकर्मी रवि मोहन ने नेशनल चैनल डीडी-1 पर एक और कहानी, डीडी-हिसार के लिए सबरंग, सोनी टीवी पर क्राइम पेट्रोल एवं जिंदगी के क्रॉस रोड के अलावा एमएक्स प्लेयर पर कैंपस डायरी, स्टेज ऐप पर मेरे यार की शादी है और ब्रॉडलाइन एरोप्लान (फेदर फिल्म) में विभिन्न किरदार निभाए हैं। उन्होंने दूसरा आदमी दूसरी औरत और एक शाम कहानियों के नाम, धीमा जहर, हरियाणा के क्रांतिवीर, मैकबेथ, नागमंडल, मारिया फरार, रेजांग-ला द लास्ट वार, अंधा युग, मैं कहानी हूं, कनुप्रिया, छाया के बिना आदमी के अलावा भारत के विभिन्न राज्यों में विभिन्न राष्ट्रीय रंगमंच समारोहों में अपनी कला से अहम योगदान दिया। इसके अलावा उन्होंने हरियाणा के जिलों के शिक्षण संस्थानों और विभिन्न ड्रामा स्कूलों में अभिनय और डिजाइनिंग के लिए विजिटिंग फैकल्टी के लिए भी अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

खबर संक्षेप

विद्यालय छात्रों का विवरण 15 तक लिंक कराएं

रोहतक। चिराग योजना के तहत कक्षा पांचवीं से बारहवीं के छात्रों को दी जानी है मुफ्त शिक्षारोहतक उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि मुख्यमंत्री हरियाणा समान शिक्षा राहत, सहायता एवं अनुदान चिराग स्कीम के तहत शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में कक्षा पांचवीं से बारहवीं में मान्यता प्राप्त 689 निजी विद्यालयों में गरीब परिवारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जानी है। डीसी ने बताया कि मौलिक शिक्षा निदेशालय द्वारा निजी विद्यालयों द्वारा दर्शायी गई सीटों पर दाखिला छात्रों का विवरण विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करवाने के लिए लिंक http://117.239.183.208/cheerag2925-26/ को 15 मई तक लाइव कर दिया गया है।

जून ने किया विजेताओं को सम्मानित

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून के पुत्र सचिन जून ने खिलाड़ियों का हाथ मिलाकर दूसरी झज्जर डिस्टिक मुएथाई चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। एसोसिएशन के जिला महासचिव सन्नी सहरावत ने सचिन राजेश जून का स्वागत करने के साथ ही स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। जून ने कहा कि शिक्षा के साथ ही बच्चों को खेलों में भी बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। आज खेलों के क्षेत्र में रोजगार के सुनहरे अवसर उपलब्ध हैं।

जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने कहा कि सोमवार को जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिसमें नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित होगा, जबकि उपमंडल स्तर पर बहादुरगढ़, बादली और बेरी में भी सुबह दस से बारह बजे तक दो घंटे समाधान शिविर लगाए जाएंगे।

बैंक के बाहर से बाइक चोरी, शिकायत दर्ज

बहादुरगढ़। शहर के दिल्ली रोहतक रोड पर स्थित बैंक के बाहर से एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। जानकारी के अनुसार दिल्ली की गीता कॉलोनी निवासी रजत अकाउंट्स का काम करता है और अपने भाई करण की बाइक लेकर बहादुरगढ़ के आईसीआईसीआई बैंक में आया था। कुछ समय बाद जब वह बैंक से बाहर आया तो उसे अपनी बाइक नही मिली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 305 के तहत केस दर्ज किया है।

मांडोठी से थ्री व्हीलर चोरी, शिकायत दर

बहादुरगढ़। गांव मांडोठी के स्टेंड से अज्ञात व्यक्ति एक थ्री व्हीलर चुरा ले गया। ओमप्रकाश बहादुरगढ़ शहर में थ्री व्हीलर चलाता है। वह रात को ऑटो अपने घर मांडोठी ले जाता है। शुक्रवार रात साढ़े 10 बजे उसने अपना थ्री व्हीलर मांडोठी स्टेंड पर खड़ा कर दिया और दुकान से सामान लेने चला गया।

15 मई को परिवहन मंत्री के आवास पर न्याय मार्च : सुमेर सिवाच

- 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में पूर्ण भागीदारी करेंगी हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की रविवार को न्यू बस स्टैंड पर एक अहम बैठक हुई। जिसमें राज्य कमेटी के सैकड़ों कर्मचारियों व अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद ने की एवं संचालन महासचिव सुमेर सिवाच ने किया। बैठक में उन्होंने 15 मई को परिवहन मंत्री के आवास पर न्याय मार्च और 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में पूर्ण भागीदारी करने का निर्णय लिया है।

रोहतक। मीटिंग करते हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी।

राज्य प्रधान व महासचिव ने 20 मई की हड़ताल के बारे में कर्मचारियों पर पड़ने वाले प्रभाव पर अपनी बातचीत रखी। बताया की हरियाणा सरकार द्वारा रोडवेज में भारी मात्रा में कर्मचारियों के तबादले किए गए। जिसमें यूनियन के नेताओं की मांग थी की सभी कर्मचारियों को नजदीक के डिपो में प्राथमिकता दी जाए सरकार ने उसको दरकिनार करते हुए कर्मचारियों के तबादले दूर-दूराज के डिपो में किए गए है। तबादला करने से पहले पॉलिसी में जो ऑप्शन भरने का समय था उसको सीमित करते हुए शनिवार व रविवार बीच में आ गऐ थे। अधिकारियों द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया इस कारण से बहुत से कर्मचारी अपना ऑप्शन भरने से वंचित रह गए। वही कर्मचारी आपत्ती दर्ज करने का समय भी ज्वाइन करने के बाद रखा गया। मीटिंग में इस पॉलिसी पर चर्चा करते हुए सरकार से मांग की गई थी कि कर्मचारियों के सुझाव के लिए समय रखा जाए और इस पॉलिसी को रद्द करते हुए कर्मचारियों को नजदीक के डिपो में रखा जाए।

सरकार 362 मार्गों पर 3658 रूट परमिट देने पर अड़ी

प्रदेश की जनता की प्राइवेट बसों की मांग नहीं तो सरकार 362 मार्गों पर 3658 रूट परमिट देने पर क्यों अड़ी हुई है। जबकि प्रदेश भर की जनता द्वारा समय-समय सरकारी बसों की मांग की जा रही है। रोडवेज के बेड़े में 10 हजार सरकारी बसें शामिल कर 60 हजार बेरोजगारों को रोजगार दिया जा सकता है। सरकारी बसें प्राइवेट बसों से अधिक टैक्स के रूप में पैसा जमा करती हैं। सरकारी बसों में बेरोजगारों को स्थाई व सुरक्षित रोजगार मिलता है। सरकार के वायदा खिलाफी और मांनी हुई मांगों को लागू न करने पर गंभीर चर्चा की गई।

यह है मुख्य मांगे

परिचालको का पे ग्रेड काम के आधार बढ़ाया जाने बात हुई थी। लिपिकों का वेतमान बढ़ाया जाने की बात हुई थी। चालको को हैवी चालक ग्रेड पे स्केल दिया जान की बात हुई थी। चालक,व परिचालकों को रात्रि ठहराव एक महीने में 10 से बढ़कर 25 किए जाएंगे पत्र जारी करना था। चालक,परिचालक, निरीक्षक,उप निरीक्षक, कर्मशाला के कर्मचारियों के देय अर्जित अवकाश 30 किए पहले 33 मिलते थे। पत्र जारी करना था। 2002 के चालको को नियुक्ति तिथि से पक्का किया जाए व उन्हें पुरानी पेंशन योजना में शामिल किया जाएगा।वर्ष 2016 में सभी प्रकिया पूर्ण उपरांत भर्ती किये गए चालकों व दादरी डिपो में पार्ट-2 के तहत लगे 52 हेल्परों व एचकेआरएन के तहत लगें सभी प्रकार के कर्मचारियों को पॉलिसी बनाकर पक्का करने का पत्र जारी करना था। चालकों के लिए अड्डा इंचार्ज के पद पर प्रमोशन की जाएगी। लिपिकों से असिस्टेंट के 88 पद स्वीकृत करने की सहमति बनी थी। सुप्रिडेंट के अनुभव को 12 साल से घटाकर 8 साल करने का निर्णय लिया लिया गया था। कर्मशाला में 2018 में लगे ग्रुप डी के कर्मचारियों को कॉमन कडर से अलग किया जाएगा।

दयानंदमठ में मासिक वैदिक सत्संग का आयोजन, बताया ईश्वर भक्ति का मार्ग

परमपिता परमात्मा की आज्ञाओं का सभी को कठोरता से पालन करना चाहिए

हमें अच्छे कर्म करने चाहिए, जिससे हमारा उत्तरोत्तर उन्नति हो, तभी हम दूसरों को भी आर्य बना सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा दयानंदमठ में मासिक वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया। प्रातः 9 बजे यज्ञ किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य सन्तराम रहे तथा उन्होंने बताया कि परमपिता परमात्मा की आज्ञाओं का हमें कठोरता से पालन करना चाहिए। सत्यवती आर्या, बहन दयावती आर्या, हनुमत आर्य (मकड़ौली) एवं आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा के भजनोपदेशक सत्यपाल मधुर द्वारा भजनों के माध्यम से देश-भक्ति, भारत देश की वर्तमान दुर्दशा तथा ऋषिवर देवदयानन्द द्वारा समाज के लिए किए गए उपकार आदि के बारे में सुन्दर सन्देश दिया गया। वेदप्रचार मंडल के प्रधान सुभाष सांगवान ने बताया कि हम सबको अपने महापुरुषों को अवश्य याद करना चाहिए, जिनसे हमें प्रेरणा मिलती है। उन्होंने महर्षि दयानन्द सरस्वती के जीवन तथा कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि महर्षि अनेक कष्टों को सहन करके हमें यह वैदिक धर्म दिया है, जिससे हम अपने जीवन को उन्नत तथा श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि आजकल माता-पिता द्वारा बच्चों को उचित संस्कार नहीं दिया जाता, जिससे बच्चा बड़ा होकर गलत रास्तों पर चला जाता है जो आगे चलकर काफी दुःखदायी हो जाता है। ओमप्रकाश शास्त्री ने बताया कि मनुष्य अपने स्वभाव व प्रवृत्ति से अपना निर्माण करता है। उसकी जैसी प्रवृत्ति होगी उसका परिणाम उसी प्रकार से होगा। सभी आर्यजनों को स्वाध्याय एवं सत्संग से जोड़ने का भी प्रयास किया और कहा कि हम आर्यों को पुरुषार्थ एवं शुभकर्म करते हुए तथा अच्छे लोगों के संसर्ग में आकर अपने जीवन को बदलना चाहिए। हमें अच्छे कर्म करने चाहिए, जिससे हमारा उत्तरोत्तर उन्नति हो, तभी हम दूसरों को भी आर्य बना सकेंगे। शांतिपाठ के बाद ऋषिलंगर काआयोजन भी किया गया। इस अवसर पर आचार्य सन्तराम, हवासिंह राठी, रामकिशन बाल्याण रिटायर्ड तहसीलदार, बलराज खुराना सहित अन्य उपस्थित रहे।

जीवन के प्रमुख उद्देश्य पर विचार रखे

मुख्यवक्ता वैदिक विद्वान ओमप्रकाश शास्त्री (पानीपत) ने बहुत ही सुन्दर एवं सरल शब्दों में प्रवचन के माध्यम से मनुष्य के उत्तम जीवन के प्रमुख उद्देश्य पर विचार रखे। उन्होंने सर्वप्रथम वेदमन्त्र का उच्चारण किया तथा बताया कि हम सबका सौभाग्य है कि हम इस आर्यावर्त देश में जन्म लिये हैं और जन्म के बाद महर्षि दयानन्द सरस्वती का आशीर्वाद भी हम लोगों को प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अनेक महापुरुषों में महर्षि दयानन्द सरस्वती सर्वोपरि हैं। उनके अन्दर अनेक गुण थे। आप बहुत सौभाग्यशाली हैं जो कि वैदिक सत्संग में बैठे हैं, जिसमें सत्यासत्य का निर्णय करके परमपिता परमात्मा का ध्यान करना बताया जाता है।

पंजाब सरकार को पानी को रोकने का नहीं कोई अधिकार : कृष्ण कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडियन नेशन लोकदल कार्यकर्ताओं की बैठक रविवार को रूपया चौक स्थित पार्टी कार्यालय में जिला प्रभारी डॉ. नफे सिंह लाहली की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पंजाब सरकार द्वारा हरियाणा के हिस्से के पानी को रोकने को लेकर सात मई को शहर में रोष प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। डॉ. नफे सिंह लाहली ने कहा कि पानी प्राकृति की देन है और पंजाब सरकार हरियाणा का पानी रोक कर संघीय ढांचे पर चोट पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार को हरियाणा के हिस्से के पानी को रोकने का कोई अधिकार नहीं है, अगर पंजाब सरकार ने हरियाणा के हिस्से का पानी नहीं दिया तो प्रदेश सरकार को भी हरियाणा से पंजाब जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर देना चाहिए। इस अवसर पर जिला प्रभारी एडवोकेट कृष्ण कौशिक ने कहा कि हरियाणा कोई भीख नहीं मांग रहा है। पानी पर जितना हक पंजाब का है, उतना ही हक हरियाणा का भी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा अपने हिस्से का पानी हर हाल में लेकर रहेगा। उन्होंने बताया कि सात मई को इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा के नेतृत्व में पंजाब सरकार के खिलाफ रोष शहर में प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व सांसद कैप्टन इन्द्र सिंह, पूर्व विधायक बलवंत सिंह मायना, पूर्व चेयरमैन इन्द्र सिंह ढुल, एडवोकेट विनोद अहलावत, सतीश नांदल रिठाल, सूरजदेहराज, राजबीर वाल्मीकि, वीरेन्द्र नांदल, जयसिंह शिमली, शीला खरैटी, सुनीता नांदल, सुशीला राणा, विनेश लाकडा, स्वतंत्र देशवाल, रामभगत लाकडा व दलबीर राणा, रणबीर हुड्डा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

दिव्यांगों का किराया माफ करने पर जताया आभार

रोहतक। हरियाणा विकलांग कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेश कुमार खत्री के नेतृत्व में प्रदेश प्रतिनिधिमंडल पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर से मिला और सरकार द्वारा दिव्यांगजन के लिए जन कल्याणकारी योजनाएं लागू करने के लिए आभार जताया। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि दिव्यांगजन सम्मान समारोह आईटीआई मैदान रोहतक में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने 50 करोड़ के कोष का गठन किया है। दिव्यांगों का किराया माफ किया गया गया है। दिव्यांगजन एक्ट 2016 मजबूती से लागू किया गया है। प्रतिनिधि मंडल में शामिल होने वाले नरेश कुमार खत्री, जसबीर कुमार, रणधीर सिंह, सुशील सैनी, पुनीत, संदीप ,रेखा देवी आदि रहे।

सरकार की ज्ञान पोस्ट सेवा का लाभ उठाएं सभी विद्यार्थी :डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा ने छात्रों व युवाओं से सरकार की ज्ञान पोस्ट सेवा का लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के संचार मंत्रालय (डाक विभाग) द्वारा गत 1 मई से एक नई डाक सेवा ज्ञान पोस्ट लागू की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह सेवा छात्रों, शिक्षण संस्थानों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं और सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। इस सेवा के अंतर्गत पुस्तकें एवं शिक्षण सामग्री कम दरों पर भेजी जा सकेंगी। यह सेवा विशेष रूप से उन पुस्तकों के लिए है जो सरकार से मान्यता प्राप्त शैक्षणिक बोर्डों, विश्वविद्यालयों एवं सरकार के अधीन स्वायत्त निकाय और सांविधिक निकाय द्वारा पाठ्यक्रम में निर्धारित हों, सामाजिक, सांस्कृतिक या धार्मिक विषयवस्तु से संबंधित हों या विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में प्रयुक्त हों।

छात्रों के लिए लाभकारी योजना

डाकघर अधीक्षक दिनेश कुमार ज्ञान पोस्ट सेवा की विशेषताओं का जिक्र करते हुए डाकघर अधीक्षक दिनेश कुमार ने बताया कि ज्ञान पोस्ट का स्पष्ट उल्लेख पैकेट पर आवश्यक है। वजन सीमा 300 ग्राम से 5 किलोग्राम तक निर्धारित की गई है। डाक खर्च 20 से 100 रुपए तक वजन के अनुसार होगी। उन्होंने बताया कि केवल मुद्रित और वैधानिक रूप से प्रकाशित पुस्तकें ही स्वीकार्य होंगी। व्यावसायिक/वाणिज्यिक सामग्री की अनुमति नहीं होगी। सभी ज्ञान पोस्ट आइटम ट्रैकेबल होंगे।दिनेश कुमार ने बताया कि निर्धारित शुल्क का भुगतान कर रजिस्ट्रीकरण, डिलीवरी का प्रमाण एवं बीमा संबंधी मूल्यवर्धित जैसी अतिरिक्त सेवाएं भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि संचार मंत्रालय (डाक विभाग) का यह कदम डिजिटल युग में भी शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान की पहुंच को सशक्त बनाने का प्रयास है। यह सेवा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और सीमित संसाधनों वाले छात्रों के लिए ज्ञान की पहुंच को सस्ता और सरल बनाएगी। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी और बुकिंग के लिए नजदीकी डाकघर से संपर्क करें।

जनप्रतिनिधियों को हड़काने वाले महम थाने के एसएचओ का 5 दिन बाद भी नहीं हुआ तबादला

- राज्यसभा सांसद का फोन करवाकर थाने में पहुंचे लोगों को मारने के लिए दौड़े थे एसएचओ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

सैमाण गांव के कई किसान खेतों में हुई आगजनी की रिपोर्ट महम थाने में करवाना चाहते थे। महम थाना प्रभारी रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रहे थे। इस बारे में किसानों ने राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा को शिकायत की थी। राज्यसभा सांसद ने एसएचओ को फोन कर दिया था और किसानों से कहा था कि वे महम थाना प्रभारी से मिल लें। किसानों का प्रतिनिधित्व करते हुए सैमाण गांव के पूर्व सरपंच प्रतिनिधि सुनील कुमार उर्फ काला और पूर्व पंचायत समिति सदस्य किताब सिंह एसएचओ से मिलने के लिए थाने गए थे। थाने में एसएचओ नहीं मिले तो वे उसके क्वार्टर पर पहुंच गए। एसएचओ ने कहा कि वह थाने में आ रहे हैं। सुनील कुमार का कहना है कि एसएचओ ने उनको बुरी तरह लताड़ लगाई और कहा कि उनकी हिम्मत कैसे हो गई क्वार्टर पर जाने की।

जनप्रतिनिधियों का आरोप

थाना प्रभारी सत्यपाल आग बबूला हो गए और उनकी ओर मारने के लिए दौड़े। हालांकि जनप्रतिनिधियों का कहना है कि वे तब क्वार्टर में गए थे, जब उनके क्वार्टर के सारे दरवाजे खुले थे और जाने से पहले आवाज लगाई थी। उनकी इतनी हिम्मत कहां है कि वे थानेदार के क्वार्टर में बिना पूछे घुस जाएं। इस संबंध में किसानों ने डीएसपी महम को एसएचओ के खिलाफ शिकायत दी थी। महंत सतीश दास भी इस संबंध में डीएसपी से मिले थे। राज्यसभा सांसद दिल्ली गए हुए थे। अब वे दिल्ली से वापस भी आ गए और शिकायतकर्ताओं ने सांसद से एसएचओ को नौकरी से बर्खास्त करने और यहां से उनका तबादला करने की मांग की थी। लेकिन इस वाकये को पांच दिन बीत गए हैं, लेकिन अभी तक महम थाने के एसएचओ का ना तो तबादला हुआ है और न ही उनके खिलाफ विभाग ने कोई कड़ा एक्शन नहीं लिया है। बताते हैं कि एसएचओ के पक्ष में यहां के एक डॉक्टर आ गए हैं, जिनकी सांसद के साथ नजदीकियां हैं। अब राज्यसभा सांसद को देखना है कि वे डॉक्टर की बात को ऊपर रखते हैं या फिर महंत सतीश दास, जनप्रतिनिधियों और किसानों का मान रखेंगे।

सीएम आवास तक जाएगा एसएचओ का मामला

जनप्रतिनिधियों का कहना है कि वे इस संबंध में राज्यसभा सांसद के निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। यदि राज्यसभा सांसद इस संबंध में कोई ठोस कार्रवाई करते हैं तो ठीक है वरना सैमाण गांव में इस बारे में ग्रामीणों की एक पंचायत का आयोजन करेंगे। उसके बाद गांव में कई बसें बुलाई जाएंगी और ग्रामीण इन बसों में बैठकर सीएम नायब सिंह सैनी से मिलने उनके आवास पर जाएंगे।

हड़ताल को लेकर कर्मचारी भवन में बनी रणनीति

एचकेआरएन कर्मचारियों को वापस लेने व अन्य मांगों को लेकर 20 मई को हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते राज्य प्रधान धर्मवीर फोगाट।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने सरकार द्वारा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से लगे कर्मचारियों को हटाए जाने व 20 मई की हड़ताल को लेकर रविवार को कर्मचारी भवन में कन्वेंशन की गई। जिसमें राज्य प्रधान धर्मवीर फोगाट ने कहा कि एक तरफ तो सरकार के द्वारा जॉब सिक्योरिटी के नाम पर भारी ब्यान बाजी व दावे किए जा रहे हैं, दूसरी तरफ नौकरी से हटाया जा रहा है। जिन कर्मचारियों को नौकरी करते हुए कई- कई साल हो गए हैं, उनके परिवारों की रोटी छिनने का कार्य सरकार के द्वारा किया जा रहा है। यह अन्याय व अमानवीय है। ऐसा लगता है सरकार को युवाओं का कच्चा रोजगार भी सहन नहीं है।

उन्होंने कहा कि जन सेवाओं को सुचारु ढंग से चलाने के लिए विभागों में खाली पड़े पदों पर तुरंत भर्तियां करने की आवश्यता है। परन्तु इस प्रकार से कर्मचारियों को नौकरी से हटाए जाने से विभागों की समस्या और भी खराब हो जाएगी। आज की कन्वेंशन सरकार से मांग की गई कि सरकार कौशल रोजगार निगम से हटाए गए कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से वापिस ले और सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को समग्र नीति बनाकर पक्का करे। इन मुद्दों के साथ-साथ पेंशन नीति, वेतन आयोग, रेगुलराइजेशन, श्रम कानून में मजदूर-कर्मचारी विरोधी बदलाव, निजीकरण, बढ़ती मंहगाई व राज्य के कर्मचारियों की सभी मांगों को लेकर प्रदेश के तमाम कर्मचारी केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों, कर्मचारी संघों व अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर 20 मई की राष्ट्रीय हड़ताल में भाग लेंगे। हटाए गए कर्मचारियों को तुरंत वापिस लेने की मांग को लेकर 11 व 12 मई को सभी मंत्रियों के आवास पर दो दिवसीय धरने लगाए जाएंगे। राज्य प्रधान ने कहा कि एच के आर एन से हटाए गए कर्मचारियों को जब तक वापिस नौकरी पर नही रखा जाता तब तक सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा आन्दोलन जारी रखेगा।

इस अवसर पर दीपक कुमार अध्यापक, राजेश सैनी पंचायती राज, संदीप कुमार वन विभाग, नवीन कुमार मंडी बोर्ड, मनीष नरवाल व राजेन्द्र सिंचाई विभाग, मुकेश सैनी अध्यापक, शौकीन पशुपालन विभाग ने अपनी बात रखी। राज्य कमेटी के नेता जरनैल सिंह, सन्दीप सांगवान, मांगे राम तिगरा, जयवीर चहल,जोगेन्द्र करोथा, महेंद्र बोयत मौजूद रहे।

जन स्वास्थ्य विभाग की टीम सड़कों पर उतरी, गंदे पानी के सैंपल लिए

रोहतक। जन स्वास्थ्य विभाग की टीम कई दिन से शहर की कॉलोनियों में निरीक्षण कर रही है। इस दौरान जहां गंदे पानी के आने की शिकायत मिलती है, वहां से सैंपल लिया जाता है। रविवार को भी टीम ने कई कॉलोनियों सहित वार्ड 13 में निरीक्षण कर गंदे पानी के सैंपल लिए। टीम ने डोर टू डोर अभियान चलाते हुए पानी में क्लोरिनेशन जांच, इंसानिटरी कनेक्शन और पानी की मात्रा की जांच की। साथ में जिला केमिस्ट दीपिका ने जगह-जगह से सैंपल टेस्टिंग और सैंपल कलेक्ट किए। एसडीओ राजेश रोहिल्ला और टीम ने घर-घर जाकर लोगो से पानी बचाने और पानी का सदुपयोग करने की अपील की।

मंडियों में सरसों व गेहूं के उठान में तेज

:झज्जर। बरसात रूकने के दो दिन बीत जाने के बाद भी रविवार को अनाज मंडी परिसर में आढ़ती व श्रमिक भीगी गेहूं व सरसों की फसलों को सुखाते रहे। आढ़तियों का कहना है कि गेहूं व सरसों की बोरियां नीचे से भीग जाने के कारण नमी ज्यादा बन गई है। जिसे सूखने में अभी समय लगेगा। वहीं डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि जिला की मंडियों में एक लाख 83 हजार 829 एमटी गेहूं की खरीद की गई है और अब तक 1 लाख 96 हजार 916 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है। जबकि एक लाख 52 हजार 71 मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है। इसके अलावा 33 हजार 876 एमटी सरसों खरीद की जा चुकी है।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

सैक्स समस्याएं
MOST TRUSTED SEXOLOGIST AWARDEE
Dr. Kawatra Rohtak.com

WE... THE BEST CREATION OF ALMIGHTY CREATOR SERVING HUMANITY FOR THEIR WELL BEING RELATIONSHIP MANAGEMENT
Wish you speedy Recovery
पुल पार, हिसार रोड, रोहतक 9215161430

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- BAMS 6
- PRO 5
- NURSING STAFF 4
- ICU STAFF 10
- MALE NURSING STAFF 5

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

भगवान परशुराम के आदर्श ही समाज को करेंगे एकजुट : डॉ. अरविंद शर्मा

- भगवान परशुराम जन्मोत्सव व अभिनंदन समारोह में सहकारिता मंत्री ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की
- भगवान परशुराम जनकल्याण समिति को विकास कार्यों के उद्देश्य से 11 लाख रुपये देने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम के आदर्श हमें समाज को एकजुट बनाने, मिलकर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार हर समुदाय, हर वर्ग को साथ लेकर सबका उत्थान सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि रोहतक के पहरावर में भगवान परशुराम जयंती पर प्रस्तावित राज्य स्तरीय जयंती समारोह अब 17 मई की जगह 30 मई को होगा, जिसमें प्रदेश के कोने-कोने से जन-जन उमड़ेगा। सहकारिता मंत्री ने अपने स्वैच्छिक कोष से भगवान परशुराम जनकल्याण समिति को विकास कार्यों के उद्देश्य से 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। रविवार को भगवान परशुराम जनकल्याण समिति द्वारा सेक्टर 2 में आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव व अभिनंदन समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए वंदना की व समाज भलाई का संकल्प लिया।

रोहतक। भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। और कार्यक्रम को सम्बोधित करते सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

राज्य स्तरीय समारोह 30 को

पार्क में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की केंद्र स्तर पर बैठक निर्धारित होने के कारण 17 मई को पहरावर में राज्य स्तरीय भगवान परशुराम जयंती समारोह अब 30 मई को होगा। उन्होंने कहा कि इस जयंती समारोह में प्रदेश के कोने-कोने से ब्राह्मण व सर्व समाज अपनी भागीदारी करेगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार गऊ में 33 कोटि देवी-देवता वास करते हैं, उसी प्रकार ब्राह्मणों में 36 बिरादरी का वास है। ब्राह्मण हर किसी को साथ लेकर चलने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में और इसे बरकरार रखने में ब्राह्मणों का बड़ा योगदान है, जिसकी पूरा देश सराहना करता है।

600 करोड़ से बन रहा भगवान परशुराम कॉलेज

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 36 बिरादरी का ध्यान रखने वाले नेता हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की संत-महापुरुष सम्मान व विचार प्रसार योजना को बढ़ाते हुए जयन्तिया को निरंतर आयोजित करने की परंपरा को निभाया है। आज उनके नेतृत्व में प्रदेश के भिवानी में पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय मेडिकल कालेज का निर्माण हुआ है। 600 करोड़ रुपए की लागत से कैथल में भगवान परशुराम राजकीय मेडिकल कालेज का निर्माण तेजी से चल रहा है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर समिति प्रधान ललित कौशिक, वरिष्ठ उपप्रधान हरिकिशन भारद्वाज, उप प्रधान ओंकार पराशर, महासचिव डॉ कपिल कौशिक, सचिव रामकुमार कौशिक, कोषाध्यक्ष डॉ हरिओम वशिष्ठ ने पगड़ी व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेवरानंद महाराज, महामंडलेश्वर परमानंद महाराज, अंतरराष्ट्रीय पहलवान योगेश्वर दत्त समेत बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के गणमान्य मौजूद रहे।

वुशू में खिलाड़ियों ने किया बेहतरीन प्रदर्शन, जीता सोना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा राज्य वुशू (सब जूनियर, जूनियर सीनियर) दो दिवसीय चैंपियनशिप 2025 महिला पुरुष का आयोजन सैनी धर्मशाला में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ अधिवक्ता देवेन्द्र सैनी उपाध्यक्ष सैनी शिक्षण संस्था द्वारा खिलाड़ओि का हाथ मिलवा कर किया गया। इस अवसर पर बीर सिंह आर्य महासचिव हरियाणा जम्प रोप संघ, आशा लता पार्षद नगर निगम विशिष्ट अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे। हरियाणा एमेच्योर वुशू संघ के महासचिव राजकुमार सैनी ने बताया कि प्रतियोगिता मे हरियाणा के झज्जर, पानीपत, गुरुग्राम, पलवल, मेवात, फरीदाबाद, रोहतक, करनाल सहित पंद्रह जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। परितोषक वितरण समारोह में समाजसेवी राकेश सैनी मौजूद रहे। जिन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सोमबीर वशिष्ट भिवानी, विजय, गौरव रोहतक, निर्वेश पानीपत, प्रभा सिंह गुरुग्राम, सुन्दर पलवल, प्रियंका झज्जर आदि उपस्थित रहे।

इन्होंने अपने आयु एवं भार वर्ग में प्राप्त किए स्वर्ण पदक

-सब जूनियर बॉयज अंडर 9-11 वर्ष-
22 किग्रा हर्ष रोहतक
24 किग्रा अन्वीत रोहतक
26 किग्रा चिराग पलवल
28 किग्रा हार्दिक पानीपत
30 किग्रा तरुण रोहतक
लड़कियां-
22 किग्रा तन्नू रोहतक
26 किग्रा काव्य रोहतक
30 किग्रा वैष्णवी रोहतक
32 किग्रा सोनम रोहतक
34 किग्रा वंदना झज्जर
-12 से 14 वर्ष सब जूनियर-
39 किग्रा उदय रोहतक
42 किग्रा दीपांशु पलवल
45 किग्रा आदर्श गुरुग्राम
48 किग्रा मोक्ष रोहतक
52 किग्रा ऋतिक गुरुग्राम
56 किग्रा शिवा पलवल
60 किग्रा हर्षित मेवात
-जूनियर लड़के-
45 किग्रा कार्तिक रोहतक
48 किग्रा गगन रोहतक
52 किग्रा गौरव भिवानी
56 किग्रा हरिमोहन रोहतक
60 किग्रा ललित भिवानी
65 किग्रा मेहुल रोहतक
70 किग्रा यश गुरुग्राम
75 किग्रा भारत पानीपत
80 किग्रा मयंक रोहतक
-लड़कियों में-
45 किग्रा मुस्कान रोहतक
48 किग्रा कनिष्का झज्जर
56 किग्रा सोनिया
60 किग्रा नेहा रोहतक
65 किग्रा शाक्षी रोहतक
70 किग्रा मुस्कान रोहतक
75 किग्रा सारिका रोहतक
-सीनियर पुरुष वर्ग-
56 किग्रा लोकेश रोहतक
60 किग्रा लोकेश महेन्द्रगढ़
65 किग्रा दीपांशु रोहतक
70 किग्रा शुभम भिवानी
75 किग्रा मोहित रोहतक
80 किग्रा यश कौशिक फरीदाबाद
85 किग्रा लोकेश पलवल
90 किग्रा कुणाल फरीदाबाद
महिला वर्ग-
45 किग्रा कुमकुम भिवानी
52 किग्रा अंकिता झज्जर
56 किग्रा भूमिका रोहतक
60 किग्रा रवीना रोहतक
70 किग्रा वर्षा रोहतक
75 किग्रा नेहा रोहतक

पहले भी लगाया था जाम, समाधान नहीं सिर्फ आश्वासन ही मिला

कई कॉलोनियों में पानी नहीं आने से लोगों ने लगाया जाम

एक महीने से चल रही परेशानी, सड़क के बीच ट्रैक्टर ट्रालियों को किया खड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में पिछले एक माह से पानी के लिए लोगों में मारामारी चल रही है। लेकिन नहर में पानी आने के बाद भी समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। रविवार को काफी परेशान होने के बाद रैनकपुरा, डॉक्टर कॉलोनी, खोखराकोट, बालकनाथ कॉलोनी, आनंदपुरम कॉलोनी के सैकड़ों लोगों व महिलाओं ने जींद चौक पर जाम लगा दिया। यहीं नहीं जाम लगाने से पहले लोगों ने पूरी तैयारियां की हुई थी, उसके बाद सड़क के बीच ट्रैक्टर ट्रालियों को खड़ा कर जाम लगाया है।

जाम के दौरान रैनकपुरा के प्रधान रामबीर ने बताया कि जन स्वास्थ्य विभाग कहता रहा कि बूस्टर के लिए जमीन तलाश कर लो। जब रैनकपुरा में जमीन उपलब्ध करवा दी, तो बूस्टर के निर्माण में देरी कर रहे हैं। अधिकारी उन्हें कोरे आश्वासन देते है, जबकि बूस्टर का निर्माण नहीं करवा रहे। जब तक लोगों के पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो जाता, तब तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी गई।

जाम में फसे लोग

रोड पर बैठी महिलाएं

लोगों को समझाते पुलिस

14 जनवरी को लगाया जाम

वहीं राजेश गुलिया ने बताया कि 14 जनवरी को भी जाम लगाया था, उस समय तहसीलदार ने आश्वासन दिया था कि एक माह में बूस्टर का निर्माण कार्य शुरू कर देंगे, लेकिन आज 5 मई हो जाने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ। जब तक उन्हें बूस्टर के निर्माण का ठोस आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक लोग सड़क पर बैठे रहेंगे। महिला रानी, रोशनी, राजबाला व कमलेश ने बताया कि जब से वह कॉलोनी में रहने आई हैं, तब से पानी नहीं आ रहा है। वह कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुकी हैं, लेकिन कोई समस्या का समाधान नहीं कर रहा है। लोगों को पानी की एक-एक बूंद के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।

लोगों ने बूस्टर निर्माण न करने का लगाया आरोप

रैनकपुरा, डॉक्टर कॉलोनी, खोखराकोट, बालकनाथ कॉलोनी, आनंदपुरम कॉलोनी के लोगों ने विभाग पर बूस्टर का निर्माण न करने का आरोप लगाया है। जिसके निर्माण न होने के कारण चार हजार से ज्यादा की आबादी पानी के लिए तरस रही है। ऐसे में उन्हें और ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। जब तक समस्या का समाधान नहीं होगा यह समस्या इसी तरह बढ़ती ही रहेगी।

15 मई के बाद लगेगा टेंडर : संदीप

रोहतक। जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से बातचीत करते रैनकपुरा के लोग।

जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन संदीप ने बताया कि बूस्टर का फंड नगर निगम के पास आना है, जो सेंक्शन हो चुका है। 15 मई तक बजट आ जाएगा, उसके बाद टेंडर लगवाया जाएगा। टेंडर अलॉट होने के बाद बूस्टर का निर्माण कार्य शुरू होगा, जिसमें करीब 2 करोड़ का खर्च आएगा और 6 से 7 माह का समय लगेगा। तब तक जरूरत अनुसार पानी के टैंकर भेजकर पानी की सप्लाई दी जाएगी। गर्मी में पानी की मांग अधिक है, तो इसके लिए डिमांड के अनुसार टैंकर भेजे जाएंगे।

जाम लगने की सूचना पर सबसे पहले पुलिस व विभाग के अधिकारी पहुंचे

जैसे ही लोगों ने सुबह दस बजे जाम लगाया, तो सबसे पहले पुलिस पहुंची। जिन्होंने जाम न लगाने के लिए लोगों को समझाया और विभाग को सूचित किया। विभाग के एक्सईन, एसडीओ व जेई मौके पर पहुंचे उन्होंने भी जल्द सप्लाई देने के लिए आश्वासन दिया लेकिन वह अपनी जिद पर अड़े रहे। महिलाएं व लोग डीसी से मिलने की मांग पर ही अड़े रहे। काफी मशक्कत के बाद लोगों ने जाम को हटाया। चेतावनी भी दी कि जल्द पानी नहीं मिला तो वह दोबारा से जाम लगाने पर मजबूर होंगे।

बेटियां देश का भविष्य : डॉ. गुरुदत शर्मा

रोहतक। उप स्वास्थ्य केंद्र लाढ़ौत के अंतर्गत सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कैंप का आयोजन प्रवीन सैनी एमपीएचडब्ल्यू लाढ़ौत सब सेंटर ने किया। मंच संचालन ब्लाक एजुकेटर अंजू ने किया। डॉक्टर गुरूदत शर्मा ने ग्रामीण महिलाओं व पुरुषों को लिंग अनुपात सुधारने के लिए व कन्या भ्रूण हत्या को रोकने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बेटियां देश का भविष्य हैं, आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले के समय में बेटियों को घृणा की दृष्टि से देखा जाता था और बेटों को उच्चतम स्तर पर रखा जाता था। गर्भ में ही बेटियों को मरवा दिया जाता था परंतु सरकार के कड़े फैसले से बेटियों के जन्म में सुधार हुआ है, जिसका परिणाम है कि आज बेटियों की संख्या में बहुत इजाफा हुआ है। कार्यक्रम के अर्न्तगत नन्हीं बेटी का केक काटकर जन्मदिन मनाया।

बाल संस्कार कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बाल संस्कार कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्योगपति सुशील मंगला, सुमित अग्रवाल ने समारोह का शुभारंभ किया। इस मौके पर ट्रस्ट के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। ट्रस्ट के चेयरमैन हरिप्रकाश गुप्ता ने माता की महिमा पर प्रकाश डाला। सुशील मंगला व रोहित अग्रवाल ने ट्रस्ट के द्वारा किए जा रहे अध्यापन कार्य की प्रशंसा की। गोविंद राम सिंघल ने कहा कि छात्र-छात्राओं को नैतिक शिक्षा देने के लिए हर बाल संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। डॉ. पुष्पलता आहुजा ने कहा कि बच्चों को अनुशासन तथा मानवता अपने जीवन में अपनानी चाहिए।

शिव शक्ति साहित्य संस्थान में साहित्यिक कुंभ आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- देश का ज्वलंत मुद्दा पहलगाम और आतंकवाद कविताओं का मुख्य विषय रहा

शिव शक्ति साहित्य संस्थान में प्रज्ञा साहित्यिक मंच रोहतक एवं अखिल भारतीय प्रेरणा साहित्य एवं शोध संस्थान कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में साहित्यिक कुम्भ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित हुआ। प्रथम सत्र में काव्य-पाठ तथा द्वितीय सत्र में रोहतक के 20 साहित्यिक मंचों तथा दूसरे जिलों के आठ सहयोगी मंचों का सम्मान जयभगवान सिंगला अध्यक्ष अखिल भारतीय प्रेरणा साहित्य एवं शोध संस्थान कुरुक्षेत्र के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां वाणी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पहलगाम के शहीदों को श्रद्धांजलि देकर की गई। शिक्षाविद व साहित्यकार प्रो. नरेश मिश्र की अध्यक्षता में रोहतक, झज्जर, दादरी, कलानौर व आस-पास से पधारे कवियों कर्ण सिंह कर्ण, सत्यवीर निराला, सावित्री माही, जयसिंह जीत, अशोक मंगलेश, संदीप शर्मा 'बाँवरा', महेंद्र बिलोटिया, कृष्णलाल गिरधर, मनजीत निराला, संदीप रिठालिया, चन्द्रदत्त शर्मा, पवन मित्तल, पवन गहलोत, निधि राठी, राज ख्यालिया, बृज बाला गुप्ता, प्रज्ञा कपूर, अंजू कपूर गांधी, रमाकांता, रमन शर्मा, खेमचंद सहगल ने काव्यपाठ किया। देश का ज्वलंत मुद्दा पहलगाम और आतंकवाद कविताओं का मुख्य विषय रहा। इस सत्र में डॉ. पुष्पा, विभागाध्यक्ष हिंदी, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक तथा वरिष्ठ साहित्यकार अर्चना कोचर ने विशिष्ट अतिथि तथा आकाशवाणी के निदेशक संजय बाली ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की।

आर्य स्कूल मदीना में पीटीएम का आयोजन

महम। आर्य स्कूल मदीना के प्रांगण में शिक्षक-अभिभावक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के शैक्षिक विकास और प्रगति पर चर्चा की गई। इस सभा में अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने अपने बच्चों की शैक्षिक प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। पीटीएम में बच्चों को इकाई परीक्षा एक के लिए सिलेबस और डेट सीट वितरित की गई। ताकि वे अपनी पढ़ाई की योजना बना सकें। शिक्षकों और अभिभावकों ने बच्चों की शैक्षिक प्रगति पर चर्चा की और उन्हें सुधारने के लिए सुझाव भी दिए। विद्यालय प्रधानाचार्य अशोक दांगी ने अपने संबोधन में बताया कि इस सभा का उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद को बढ़ावा देना और बच्चों की शैक्षिक प्रगति में सुधार करना है। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक, छात्र छात्राएं और अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

महम। पीटीएम में भाग लेते शिक्षक, अभिभावक व विद्यार्थी।

योग शिविर में सिखाए स्वास्थ्य के सरल मंत्र

रोहतक। एसएन जन वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान सुभाष नगर पार्क में निशुल्क आठ दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में रविवार को शुगर रोग विशेषज्ञ डॉ. सुप्रित जैन ने साधकों से कहा कि अगर व्यक्ति अपनी दिनचर्या में योग व संयमित खानपान को स्थान दे, तो वह जीवनभर रोगों से मुक्त रह सकता है। उन्होंने स्वास्थ्य व जीवनशैली सुधार के महत्वपूर्ण सूत्र सिखाए गए। शिविर का समापन 6 मई को होगा। इस मौके पर योग गुरू सरदार हवासिंह सैनी ने योगाभ्यास कराते हुए बताया कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में रोगों से बचाव के लिए योग सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि कपोली प्राणायाम चेहरे की त्वचा के लिए अत्यंत लाभकारी है।

रोहतक। योग सिखाते सरदार हवासिंह सैनी।

कार्यक्रम | पीजीआईएमएस के फार्माकोलॉजी विभाग में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

चिकित्सा विज्ञान में मानव माइक्रोबायोम की भूमिका का पता लगाने के लिए 150 विशेषज्ञ हुए एकजुट

विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

फार्माकोलॉजी विभाग, पीजीआईएमएस ने 3 मई को "फार्माकोलॉजी बियॉन्ड बॉर्डर्सः हार्नेसिंग द माइक्रोबायोम फॉर हेल्थ फॉर ऑल" शीर्षक से एक राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन मेडीफार्माकोन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान में मानव माइक्रोबायोम की अत्याधुनिक भूमिका का पता लगाने के लिए देश भर से 150 से अधिक प्रतिभागियों को एक साथ लाया गया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया, जिन्होंने माइक्रोबायोम अनुसंधान में उभरते रुझानों, व्यक्तिगत चिकित्सा, दवा प्रतिक्रिया और रोग प्रबंधन में इसके निहितार्थों पर अपनी विशेषज्ञता साझा की। सम्मेलन ने विभिन्न विषयों और संस्थानों में अकादमिक आदान-प्रदान और सहयोग के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य किया।

फार्माकोलॉजी विभाग की प्रमुख और अध्यक्ष सम्मेलन डॉ. ज्योति कौशल ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और आधुनिक औषधीय अनुसंधान में माइक्रोबायोम की खोज और इसके वैश्विक स्वास्थ्य प्रभावों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सम्मेलन की रूपरेखा तैयार की।

डॉ. सुनील कुमार, सम्मेलन के सचिव ने बताया की मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों सहित कुल 99 वैज्ञानिक योगदानों ने स्नातकोत्तर छात्रों और संकाय द्वारा अभिनव शोध को प्रदर्शित किया, जो माइक्रोबायोम-केंद्रित फार्माकोलॉजी में बढ़ती रुचि और क्षमता को दर्शाता है।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते पीजीआईएमएस रोहतक के निदेशक डॉ. एसके सिंघल। फोटो : हरिभूमि

कुलपति ने दी शुभकामनाएं

पीजीआईएमएस रोहतक के निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने वैश्विक स्वास्थ्य सेवा और व्यक्तिगत चिकित्सा में अंतराल को पाटने में माइक्रोबायोम अनुसंधान की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया और डॉ. ध्रुव चौधरी, डॉ. केएस लालर, डॉ. पंकज मुटनेजा ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई। डॉ सिंघल ने बताया कि इस कांफ्रेंस के लिए कुलपति डॉक्टर एच के अग्रवाल ने भी अपनी शुभकामनाएं भेजते हुए कहा कि अन्य विभागों को भी इस प्रकार की कांफ्रेंस आयोजित करनी चाहिए। डॉ. सविता वर्मा, सम्मेलन की सह-अध्यक्ष, ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों, आयोजन टीम को उनके बहुमूल्य योगदान और कार्यक्रम को एक शानदार सफलता बनाने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

ये रहे मौजूद

डॉ. ज्योति शर्मा सह आयोजन सचिव ने आंत में माइक्रोबायोम का महत्व बताया और डॉ हिमानी, डॉ मोनिका वर्मा ने सम्मेलन में संयुक्त सचिव के रूप में काम किया। इस अवसर पर विभाग के अन्य प्रोफेसर डॉ जरनैल सिंह, डॉ विवेक शर्मा, डॉ सरिता गोयल, डॉ राकेश मित्तल, डॉ नीति मित्तल, डॉ ज्योति खन्ना, तथा सीनियर व जूनियर रेजीडेंट उपस्थित रहे।

आतंकी हमले में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

रोहतक। अखिल भारतीय बैंक पेंशनर्ज एवं रिटायारीज फेडेरेशन ने वरिष्ठ नागरिक सोसाइटी कार्यालय, मानसरोवर पार्क में एक शोक सभा आयोजित की। इस सभा में पहलगाम (कश्मीर) घाटी में आतंकवादियों द्वारा मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। सभा की अध्यक्षता कंवल सिंह सैनी ने की और अमरजीत सिंह कालरा , हरिश मनचंदा , हरिश आजाद ने सह-अध्यक्षता की। सोसाइटी कार्यालय से शहीद मेमोरियल स्तम्भ तक कैंडल मार्च भी आयोजित किया गया, जिसमें भारत माता की जय, आतंकवाद मुर्दाबाद, /"भारत सरकार आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं, पाकिस्तान मुर्दाबाद आदि नारे भी लगाए गए। सभा में अध्यक्ष केएस सैनी ने कहा कि पर्यटकों कि हमले की निंदा विश्वभर में हुई है और सरकार आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को प्रतिबद्ध है। इस गंभीर घटना के सभी दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।